जीवन विज्ञान अन्तर्राष्ट्रीय शिविर शुरू

देश का भविष्य है बालक : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 8 नवम्बर, 2010

आचार्य महाश्रमण ने कहा कि बालक देश का भविष्य है। बालपीढ़ी में संस्कार निर्माण होना चाहिए। ज्ञान और सदाचार के संस्कार विकसित होंगे तभी समाज, देश अपना भविष्य सुन्दर बना सकेगा।

उक्त विचार उन्होंने जीवन विज्ञान अन्तर्राष्ट्रीय शिविर के शुभारंभ अवसर पर बालकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में अच्छे संस्कारों के निर्माण हेतु धर्मगुरुओं, अध्यापकगण एवं अभिभावकों को प्रयास करना चाहिए। आचार्य प्रवर ने कहा कि जीवन विज्ञान के द्वारा भावात्मक विकास होता है। इसको विद्या संस्थान से जोड़कर बाल पीढ़ी के भविष्य को सुन्दर बना सकते हैं।

जीवन विज्ञान प्रभारी मुनि किशनलाल ने कहा कि शिविर का उद्देश्य अच्छे इंसान का निर्माण करना है। जीवन विज्ञान से शिक्षा जगत के असंतुलन को मिटाकर मेधावी छात्रों की लम्बी सूची तैयार कर सकते हैं। जो रीढ़ की हड्डी को सीधा रखना नहीं जानता वह मेधावी नहीं बन सकता। इस मौके पर शिविर के प्रायोजक मूलचन्द विकासकुमार मालू की तरफ से दीपचन्द दूगड़ ने कृतज्ञता ज्ञापित की। अमेरिका प्रवासी डॉ. निर्मल बैद ने फ्लोरिडा युनिवर्सिटी में चलने वाली जैन विद्या एवं प्रेक्षाध्यान की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। शिविर की की कीट विक्रम सेठिया एवं दीपचन्द दूगड़ ने आचार्य प्रवर को भेंट की। मुनि नीरजकुमार ने मंगलाचरण किया, संचालन विक्रम सेठिया ने किया। आचार्य महाश्रमण ने पाली से पहुंचे श्रद्धालुओं के संघ की अर्ज पर 2012 की महावीर जयन्ती समारोह पाली में करने की स्वीकृति प्रदान की।

चौबीसी प्रतियोगिता का सफल आयोजन

सरदारशहर 8 नवज़्बर, 2010

जैन श्वेताज़्बर तेरापंथी सभा द्वारा आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में एवं मुनि हिमांशुकुमार, मुनि जितेन्द्रकुमार के निर्देशन में चौबीसी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। रविवार रात को तेरापंथ भवन में हुई इस प्रतियोगिता के प्रायोजक सरदारशहर निवासी गुवाहाटी प्रवासी बिमलकुमार नाहटा थे। तेरापंथ के चतुर्थ अनुशास्ता श्रीमद् जयाचार्य द्वारा 24 तीर्थंकरों की स्तुति में रचित विशिष्ट कृति चौबीसी के आधार पर आयोजित इस रोचक प्रतियोगिता की विजेता जोरावरपुरा की विनीता बैद रही। द्वितीय स्थान सरदारशहर की मनीषा बोथरा ने प्राप्त किया एवं डीसा के विनोद कुमार शांतिलाल जैन तृतीय स्था पर रहे। सरदारशहर की प्रिया गधैया को सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। करीब तीन घंटों तक दर्शकों को बांधे रखने वाली इस प्रतियोगिता के विभिन्न राऊंडों का संचालन निशा सेठिया, ऊषा दुगड़, नविता नाहर, मनीषा बुच्चा ने किया। निर्णायक की भूमिका मांगीलाल डागा एवं श्रीमती कांता चिण्डालिया ने निभाई। विनीता सिंघी के मंगलाचरण से प्रारंभ हुई प्रतियोगिता में अध्यक्षीय भाषण अशोक नाहटा ने दिया एवं आभार तेजकरण भंसाली ने किया। प्रतियोगिता विजेताओं को विमलकुमार नाहटा, पीरदान बरमेचा, चैनरूप दुगड़, करणीदान चिण्डालिया ने पुरस्कार प्रदान किये। प्रतियोगिता प्रायोजक विमल कुमार नाहटा की ओर से मुज़्य प्रतियोगिता में पहुंचने वाले सभी प्रतियोगियों को एक-एक भव्य तस्वीर प्रदान की गई। इस मौके पर सभा अध्यक्ष अशोक नाहटा ने जीवन विज्ञान अकादमी के सहमंत्री नरेश सोनी को भी मोमेंटो देकर सज़्मानित किय।

आज होगा 'समण संस्कृति' का विमोचन

जैन विश्व भारती के शिक्षा विभाग समण संस्कृति संकाय के 33 वर्षों की ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में स्मारिका 'समण संस्कृति' का विमोचन आज (9 नवज़्बर) प्रात: 9 बजे के प्रवचन कार्यक्रम के दौरान आचार्य महाश्रमण के करकमलों द्वारा किया जायेगा। इस स्मारिका में संकाय द्वारा आयोजित होने वाली जैन विद्या परीक्षाओं एवं अन्य गतिविधियों की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला गया है तो बाल पीढ़ी के संस्कार निर्माण से जुड़े विभिन्न लेखकों के आलेखों को भी समाहित किया गया है।